an>

Title: Need to withdraw the alleged objectionable Fevikwik advertisement being aired on T.V. Channels.

प्रो. चिंतामणि मालवीय (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आजकल टीवी पर प्रसारित हो रहे पिडिलाइट कम्पनी के क्युइकफिक्स के विज्ञापन की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। विज्ञापन में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का वाघा बॉर्डर दिखाया गया है। जिसमें सैनिकों की परेड दिखायी है। इस परेड के दौरान पाकिस्तानी सैनिक का एक जूता फट जाता है। उस जूते को भारतीय सैनिक के द्वारा जोड़ते हुए दिखाया गया है। यह वस्तुतः इस देश के स्वाभीमानी सैनिकों की बलिदानी परम्परा का अपमान है। पाकिस्तानी सेना को तीन बार आमने-सामने के युद्ध में हरा चुकी भारतीय सेना का घोर अपमान और मनोबल गिराने वाला है। पिडिलाइट कम्पनी द्वारा दिखाया जा रहा यह विज्ञापन राष्ट्र विरोधी है, जिसकी मैं घोर भर्त्सना करता हूं। मैं आपके माध्यम से सदन से मांग करता हूं, माननीय गृह मंत्री जी उपस्थित हैं कि इस विज्ञापन को बनाने वाले कलाकर, निर्देशक, लेखक और सम्बन्धित कम्पनी पर भारतीय सेना के अपमान और राष्ट्र द्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही सम्बन्धित विज्ञापन पर तुरन्त रोक लगायी जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री जुगल किशोर शर्मा - उपस्थित नहीं।

श्री पी.पी. चौधरी,

श्रीमती अंजू बाला और

कुमारी शोभा कारान्दलाजे को श्री प्रो.चिंतामणि मालवीय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।